Vishal
Asst. Prof.
N.S.J. College

एशिया महाद्वीप का भौगोलिक स्वरूप

PAGE NO :
DATE :

एशियाई महाद्वीप या जम्बूद्वीप भूमध्यसागर, आर्कटिक महासागर, अंध सागर, प्रशांत महासागर और हिन्द-महासागर से घिरा हुआ है। काकेशस पर्वत और यूराल पर्वत प्राकृतिक रूप से एशिया को यूरोप से अलग करते है। एशिया आकार और जनसंख्या दोनों ही दृष्टि से विश्व का सबसे बड़ा महाद्वीप है, जो उत्तरी गोलार्द्ध मे स्थित है। पश्चिम मे इसकी सीमाएं यूरोप से मिलती है। एशिया के चीन और भारत विश्व के दो सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश है।

– स्थिती एंव विस्तार :–

एशिया महाद्वीप तीन ओर से महासागरों से घिरा है तथा एक ओर से स्थल से अर्थात पश्चिम मे यूरोप व ~~अफ्री~~ अफ्रीका महाद्वीप से जुड़ा है। महाद्वीप के उत्तर मे आर्कटिक महासागर, पूर्व मे प्रशांत महासागर एंव दक्षिण मे हिन्द महासागर है। एशिया महाद्वीप 10° दक्षिणी अक्षांश से 80° उत्तरी अक्षांश तथा 25° पूर्वी देशांतर से 180° पूर्वी देशांतर के मध्य स्थित है। एशिया महाद्वीप मे 48 देश है। भारत जनसंख्या की दृष्टि से चीन के बाद दूसरा बड़ा देश है।

– धरातलीय स्वरूप :–

सामान्यतः किसी भी कोई भू-भाग का धरातल एक समान नही होता। ठीक इसी प्रकार एशिया महाद्वीप मे भी कही विश्व की ऊंची पर्वत श्रृंखलाएं है तो कही बहुत निचली भूमि और कही

Scanned with CamScanner

PAGE NO :
DATE :

मैदान स्थित है। एशिया के धरातलीय स्वरूप को जानने के लिए ~~क्षद्धद~~ एशिया महाद्वीप के प्राकृतिक एवं विभिन्न भौतिक विभागों में बाँटा जा सकता है।

(1) उत्तरी मैदान
(2) मध्यवर्ती पर्वतीय एवं पठारी क्षेत्र
(3) दक्षिणी प्रायद्वीपिय पठार
(4) नदियों का मैदान
(5) द्वीप समूह

(1) उत्तरी मैदान → एशिया महाद्वीप का उत्तरी भाग एक विस्तृत मैदान है। यह पश्चिम में यूराल पर्वत, पूर्व में लीना नदी तथा दक्षिण में मध्यवर्ती पर्वतों के बीच फैला है। इसे साइबेरिया का मैदान भी कहते हैं। ओब, एनिसी एवं ~~(...)~~ लीना इस मैदान की प्रमुख नदियाँ है। इस मैदान में संसार की गहरी और मीठे पानी की बैकाल झील स्थित है।

(2) मध्यवर्ती पर्वतीय एवं पठारी क्षेत्र → उत्तरी मैदान के दक्षिण में तथा महाद्वीप के मध्यवर्ती भाग में कई पर्वत श्रृंखलाएं, एक ऊंचे पठारी भू-भाग से इस तरह बंधी हुई दिखती है जैसे चारों दिशाओं से रस्सियाँ किसी गाँठ से बंधी हो। यह ऊंचा भाग 'पामीर के पठार' के नाम से जाना जाता है जिसे दुनिया की छत भी कहते है।

पामीर के पठार के पूर्व में तिब्बत का पठार है। हिमालय संसार का सबसे ऊंचा पर्वत है। हिमालय में माउण्ट एवरेस्ट संसार की सबसे ऊंची चोटी है। जिसे सागरमाथा भी कहते है।

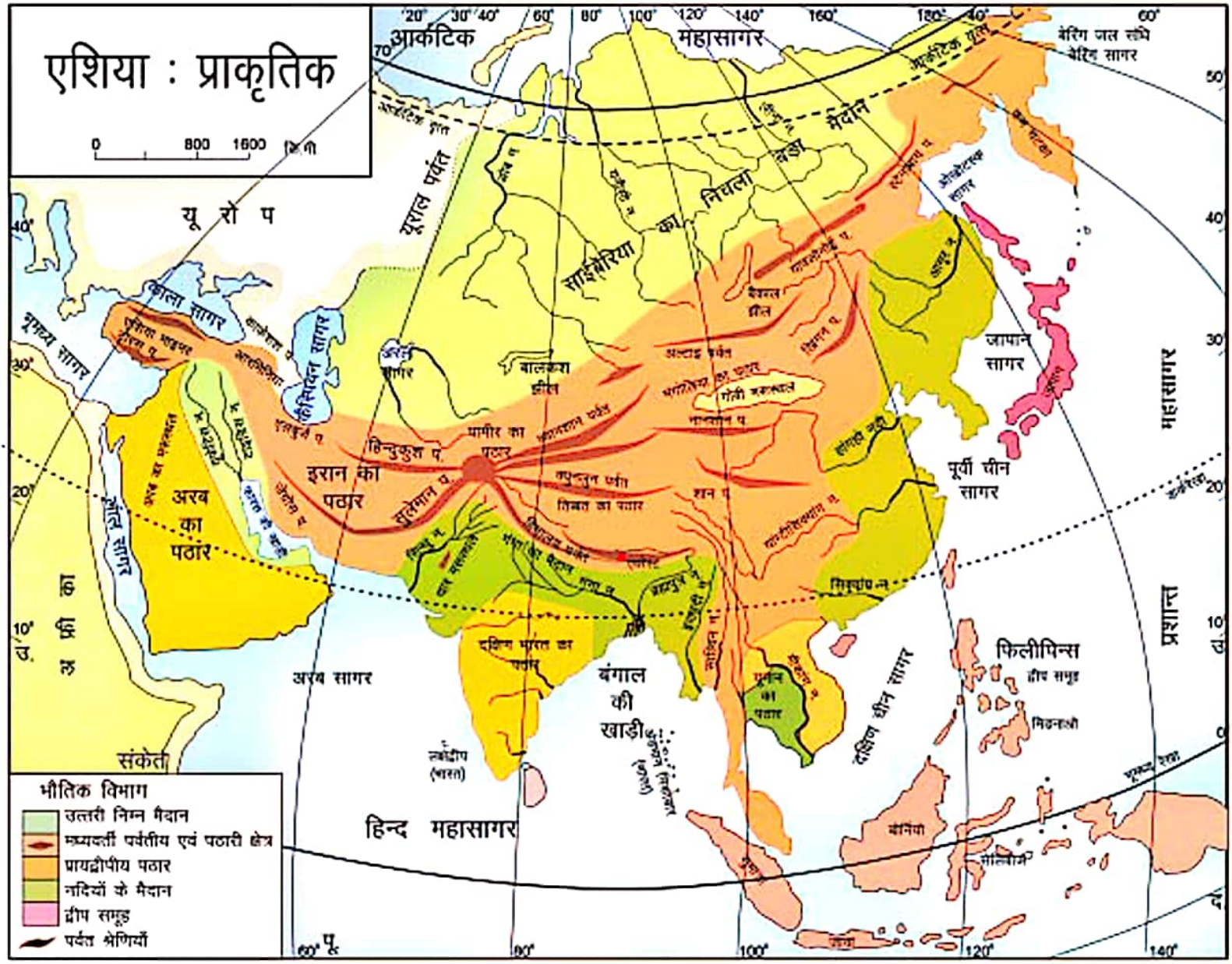

Scanned with CamScanner

PAGE NO :
DATE :

ध्यानश्यान पर्वतमाला और अल्टाई पर्वतमाला के बीचों - बीच एक बड़ा मरुस्थल है, जिसे गोबी का मरुस्थल कहा जाता है।

- (3) दक्षिणी प्रायद्वीपीय पठार → मध्यवर्ती पर्वतमालाओं के दक्षिण में अति प्राचीन शैलों से बने हुए कुछ पठार हैं। ये मुख्य रूप से दक्षिण दिशा की ओर फैले हुए हैं तथा तीन ओर से पानी से घिरे हुए होने के कारण इन्हें प्रायद्वीप कहते हैं। इनमें अरब का पठार, दक्षिण भारत का पठार तथा ईरान का पठार मुख्य हैं।

- (4) नदियों का मैदान → नदियों द्वारा लाकर जमा की गई मिट्टियों से निर्मित मैदान मुख्य रूप से पूर्वी एशिया व दक्षिणी एशिया में हैं। पश्चिमी एशिया में ये मैदान अरब, ईरान और ईराक में दजला - फरात नदियों द्वारा बनाए गए हैं। दक्षिण एवं दक्षिण - पूर्वी एशिया में सिंधु, गंगा - ब्रह्मपुत्र के मैदान, इरावदी, सालविन नदियों के मैदान, यांगटिसीक्यांग, सीक्यांग और ह्वांगहो, सीनांग - मीकांग, आमूर, सर - दरिया नदी मैदान के नाम प्रसिद्ध हैं। ये मैदान चावल की कृषि के लिए विश्व प्रसिद्ध हैं।

- (5) द्वीप - समूह → एशिया महाद्वीप के पूर्व तथा दक्षिण - पूर्व में कुछ द्वीप - समूह हैं। इनमें तीन द्वीप - समूह प्रमुख हैं, इंडोनेशिया, फिलिपीन्स,

Scanned with CamScanner

और जापान द्वीप समूह। इन सभी द्वीप समूहों का मध्यवर्ती भाग पर्वतीय है, जिसके चारों ओर सँकरे तटीय मैदान हैं। इंडोनेशिया द्वीप समूह, महाद्वीप का सबसे बड़ा द्वीप समूह है।

Scanned with CamScanner